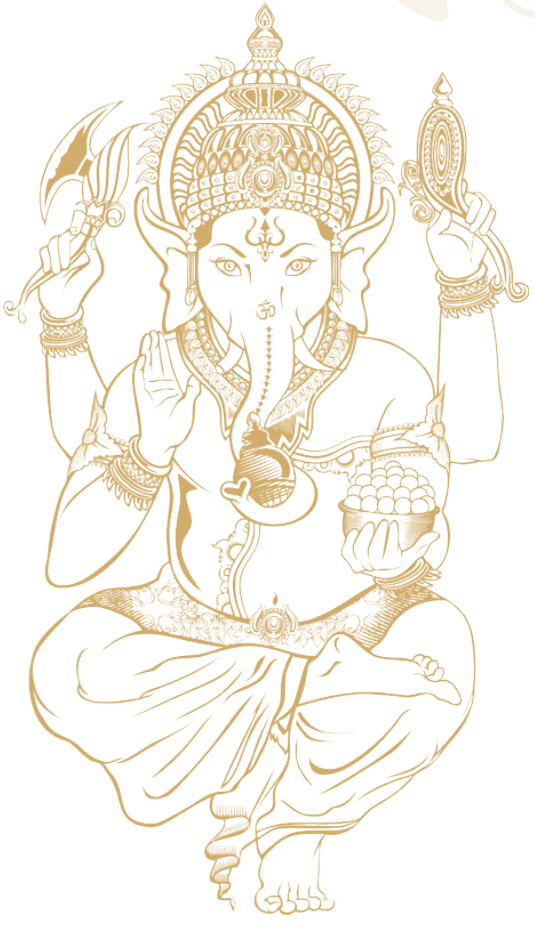

Miss Nikita Sharma

25 Sep 2002

12:20 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121651603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24-25/09/2002**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:20:00 घंटे**
इष्ट	45:10:07 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:53:20 घंटे
वेलान्तर	00:07:50 घंटे
साम्पातिक काल	00:07:04 घंटे
सूर्योदय	06:15:57 घंटे
सूर्यास्त	18:21:13 घंटे
दिनमान	12:05:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:39:20 कन्या
लग्न के अंश	19:03:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:03:37	316:51:43	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	07:39:20	00:58:45	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	सम राशि
चंद्र			मेष	12:28:56	11:50:26	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	22:45:44	00:38:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	13:51:04	01:02:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			कर्क	17:09:54	00:10:35	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			तुला	17:19:08	00:30:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	04:56:09	00:01:50	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		वृष	17:09:42	00:06:17	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	17:09:42	00:06:17	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	01:39:40	00:01:47	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:29:01	00:00:49	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:14:42	00:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	08:01:39	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:26

लग्न-चलित

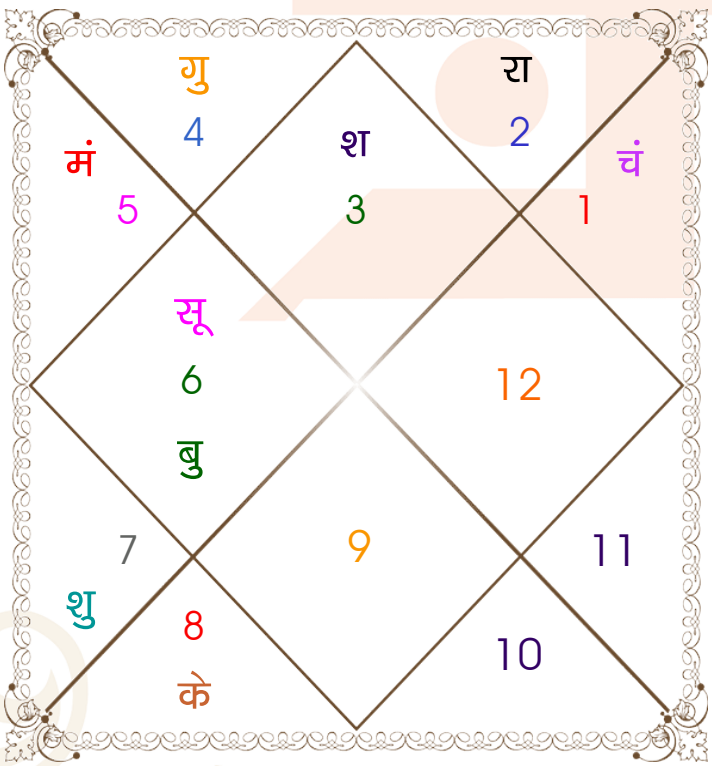

चन्द्र कुंडली

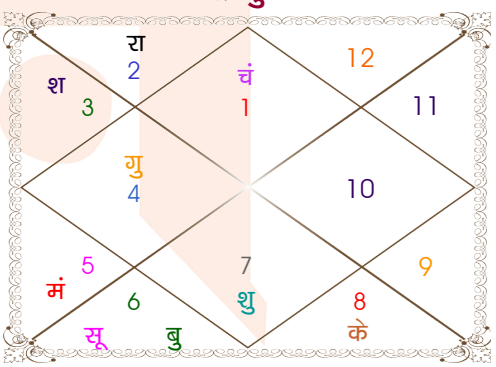

नवमांश कुंडली

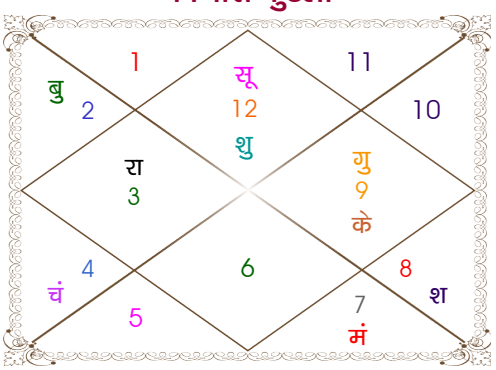

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 5 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/09/2002		07/03/2003		07/03/2023		06/03/2029		07/03/2039	
07/03/2003		07/03/2023		06/03/2029		07/03/2039		06/03/2046	
	00/00/0000	शुक्र	06/07/2006	सूर्य	24/06/2023	चंद्र	05/01/2030	मंगल	03/08/2039
	00/00/0000	सूर्य	06/07/2007	चंद्र	24/12/2023	मंगल	06/08/2030	राहु	20/08/2040
	00/00/0000	चंद्र	06/03/2009	मंगल	30/04/2024	राहु	05/02/2032	गुरु	27/07/2041
	00/00/0000	मंगल	06/05/2010	राहु	24/03/2025	गुरु	06/06/2033	शनि	05/09/2042
	00/00/0000	राहु	06/05/2013	गुरु	11/01/2026	शनि	05/01/2035	बुध	02/09/2043
	00/00/0000	गुरु	05/01/2016	शनि	24/12/2026	बुध	05/06/2036	केतु	29/01/2044
	00/00/0000	शनि	07/03/2019	बुध	30/10/2027	केतु	04/01/2037	शुक्र	31/03/2045
	25/09/2002	बुध	05/01/2022	केतु	06/03/2028	शुक्र	05/09/2038	सूर्य	05/08/2045
बुध	07/03/2003	केतु	07/03/2023	शुक्र	06/03/2029	सूर्य	07/03/2039	चंद्र	06/03/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/03/2046		06/03/2064		06/03/2080		07/03/2099		07/03/2116	
06/03/2064		06/03/2080		07/03/2099		07/03/2116		26/09/2122	
राहु	17/11/2048	गुरु	24/04/2066	शनि	10/03/2083	बुध	03/08/2101	केतु	03/08/2116
गुरु	12/04/2051	शनि	04/11/2068	बुध	17/11/2085	केतु	01/08/2102	शुक्र	03/10/2117
शनि	16/02/2054	बुध	10/02/2071	केतु	27/12/2086	शुक्र	31/05/2105	सूर्य	08/02/2118
बुध	05/09/2056	केतु	17/01/2072	शुक्र	25/02/2090	सूर्य	07/04/2106	चंद्र	09/09/2118
केतु	23/09/2057	शुक्र	17/09/2074	सूर्य	07/02/2091	चंद्र	06/09/2107	मंगल	05/02/2119
शुक्र	23/09/2060	सूर्य	06/07/2075	चंद्र	08/09/2092	मंगल	03/09/2108	राहु	24/02/2120
सूर्य	18/08/2061	चंद्र	04/11/2076	मंगल	17/10/2093	राहु	23/03/2111	गुरु	30/01/2121
चंद्र	16/02/2063	मंगल	11/10/2077	राहु	23/08/2096	गुरु	28/06/2113	शनि	11/03/2122
मंगल	06/03/2064	राहु	06/03/2080	गुरु	07/03/2099	शनि	07/03/2116	बुध	26/09/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।